

अप्राशन पुं. (तत्.) 1. भोजन न करना, निराहार रहना, भोजन न कराना 2. अनशन, उपवास, व्रत।

अप्राशनोन्माद पुं. (तत्.) मनोवि. भोजन नहीं करने की इच्छा से उत्पन्न उन्माद या अवसाद।

अप्रासंगिक वि. (तत्.) 1. जो प्रासंगिक न हो, प्रसंग के बाह्य, जो संदर्भगत न हो 2. विषय-विशेष से असंबद्ध विलो. प्रासंगिक।

अप्रियंवद वि. (तत्.) अप्रिय बात बोलने वाला, कठोरभाषी।

अप्रिय वि. (तत्.) जो प्रिय न हो जिसके प्रति अनुराग न हो, अरुचिकर विलो. प्रिय।

अप्रियकर वि. (तत्.) जो रुचिकर न हो विलो. प्रियकर।

अप्रियकारक वि. (तत्.) अप्रिय या अहित करने वाला, अरुचि कर।

अप्रियकारी वि. (तत्.) दे. अप्रियकारक।

अप्रियता स्त्री. (तत्.) 1. अप्रिय होने की स्थिति या भाव 2. मनोमालिन्य।

अप्रियवादिता स्त्री. (तत्.) अप्रिय बोलने की आदत, कठोर बात बोलने की प्रवृत्ति।

अप्रियवादी वि. (तत्.) अप्रिय बोलने वाला, कटुभाषी।

अप्रीति स्त्री. (तत्.) 1. स्नेह या प्रेम का अभाव 2. वैर 3. दुर्भाव विलो. प्रीति।

अप्रीतिकर वि. (तत्.) 1. अप्रिय, जो पसंद न हो 2. अमंगलकारी, अशुभ, मनहूस 3. कठोर प्रयो. झगड़ालू लोगों की बातें सबको अप्रीतिकर लगती हैं।

अप्रेन्टिस पुं. (अं.) वह व्यक्ति जो किसी कार्य में कुशलता पाने के लिए प्रशिक्षण के दौरान बिना वेतन या अल्प वेतन पर कार्य करता है, प्रशिक्षु apprentice

अप्रैल पुं. (अं.) अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार वर्ष का चौथा माह जो प्रायः भारतीय पंचांग के चैत माह के आसपास पड़ता है और तीस दिन का होता है।

अप्रैल फूल पुं. (अं.) 1. अप्रैल माह का प्रथम दिन जिसे हँसी-ठिठोली और मजाक के रूप में जाना जाता है april fool

अप्रौढ़ वि. (तत्.) 1. अवयस्क, नाबालिग 2. जो प्रौढ़ न हो, अपरिपक्व 3. अपांडित्य-पूर्ण 4. अनुभवहीन 5. युवक।

अप्रौढ़ा स्त्री. (तत्.) 1. अवयस्क, नाबालिग, कमसिन 2. अनुभवहीन, जो परिपक्व न हो 3. युवती 4. प्रौढ़ा नायिका से भिन्न अप्रगल्भा नायिका।

अप्सरा स्त्री. (तत्.) (जलक्रीड़ा प्रेमी) देवांगना।

अफगन (अफगान) वि. (फा.) दे. अफगानी।

अफगानिस्तान पुं. (फा.) भारत के पश्चिमोत्तर में स्थित एक देश जिसकी राजधानी काबुल है।

अफगानी वि. (फा.) अफगानिस्तान का निवासी, पठान, काबुली।

अफज़ल (अफज़ल) वि. (अर.) बहुत अच्छा, अति उत्तम, श्रेष्ठ।

अफतार पुं. (अर.) दे. इफतार।

अफरन स्त्री. (देश.) अत्यधिक खाने के बाद पेट फूल जाना।

अफरना अ.क्रि. (तत्.) 1. अत्यधिक भोजन करने से पेट का फूलना 2. वायु के कारण पेट फूलना 3. अघाना, ऊबना।

अफरा-तफरी स्त्री. (अर.) 1. हड़बड़ी 2. बदहवासी 3. अव्यवस्था, गड़बड़।

अफरीदी पुं. (अर.) पेशावर के उत्तर में पहाड़ी प्रदेश में रहनेवाली पठानों की एक जाति।

अफल वि. (तत्.) फलहीन, निष्फल, परिणाम-रहित, व्यर्थ पुं. (तत्.) झाऊ का वृक्ष।

अफला स्त्री. (तत्.) 1. घृतकुमारी या घीकुंवार नामक वनस्पति 2. बाँझ 3. भुई अंवल।